एम.ए. उत्तरार्द्ध संस्कृत परीक्षा 2009–2010

" वर्ग – ब "

द्वितीय प्रश्न पत्र : वेदान्त तथा मीमांसा दर्शन

100 अंक

पाठ्यक्रम –

1. ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य : प्रथम अध्याय प्रथम पाद के 1–4 सूत्र (चतुः सूत्री)

1. द्वितीय अध्याय – द्वितीयपादमात्र

2. अर्थसंग्रह "लोगाक्षि भास्कर"

समग्र पाठ्यक्रम पाँच इकाइयों में तथा प्रश्नपत्र तीन खण्डों में विभाजित किया गया है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है –

पाठ्यक्रम की इकाइयाँ –

प्रथम इकाई –

ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य प्रथम अध्याय, प्रथमपाद के 1–4 सूत्र।

द्वितीय इकाई –

ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य ' द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद के 1–27 सूत्र

तृतीय इकाई –

ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य – द्वितीय अध्याय, द्वितीय पाद के 28–45 सूत्र

चतुर्थ इकाई –

अर्थसंग्रह "लौगाक्षि भास्कर" प्रारम्भ से विधिभागपर्यन्त

पंचम इकाई –

अर्थसंग्रह – मन्त्र, नामधेय, निषेध एवं अर्थवाद

प्रश्नपत्र का विस्तृत अंक विभाजन –

प्रथम खण्ड "वस्तुनिष्ठात्मक भाग" 10 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत विकल्परहित वस्तुनिष्ठात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे। ये सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे तथा समस्त इकाइयों से समान रूप से सम्बद्ध होंगे।

द्वितीय खण्ड "व्याख्यात्मक भाग" 50 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल पाँच प्रश्न (व्याख्याएं) शत–प्रतिशत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर (व्याख्या) लगभग 250 शब्दों में देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित हैं। इनका पाठ्यक्रम के अनुसार विभाजन निम्न प्रकार से है –

(क) ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य के 1–4 सूत्रों के सूत्र अथवा भाष्य के रूप में दो व्याख्येय अंश देकर किसी एक की संस्कृत में व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(ख) ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य, द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद के 1–27 सूत्रों में से दो सूत्र देकर किसी एक सूत्र की शांकर भाष्य के आलोक में व्याख्या पूछी जायेगी।

(ग) ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्य, द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद के 28–45 सूत्रों में से दो सूत्र देकर किसी एक सूत्र की शांकरभाष्य के आलोक में व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(घ) अंर्थसंग्रह (लौगाक्षिभास्कर) में सें कोई दो व्याख्येय अंश देकर किसी एक की व्याख्या पूछी जायेगी। 10 अंक

(ड) अर्थसंग्रह में विवेचित विषयों में से कोई दो विषय देकर एक का विवेचन पूछा जायेगा। 10 अंक

तृतीय खण्ड (निबन्धात्मक भाग) 40 अंक

इस खण्ड के अन्तर्गत कुल दो प्रश्न विकल्पों के साथ पूछे जायेंगे। इनमें से प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। इन दो प्रश्नों के क्रमशः 20 + 20 निर्धारित हैं।

1. उक्त खण्ड के प्रथम प्रश्न के अन्तर्गत ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य के प्रथम अध्याय के प्रथमपाद के 1–4 सूत्र में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा। 20 अंक

2. उक्त खण्ड के द्वितीय प्रश्न के अन्तर्गत ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य द्वितीय अध्याय के द्वितीय पाद में विवेचित विषयवस्तु से सम्बन्धित दो प्रश्न देकर एक का उत्तर पूछा जायेगा। इस प्रश्न के अन्तर्गत निम्नबिन्दु आधारस्वरूप होंगे –

शांकर वेदान्त की दृष्टि से सांख्य, कणाद (वैशैषिकमत), बौद्ध–सर्वास्तिवाद एवं वैनाशिक विज्ञानवादी, आर्हत (जैन), तटस्थ ईश्वर कारणवादी (तार्किक) मतों का खण्डन।

NOT FOR SALE
FOR OFFICE USE ONLY

सहायक पुस्तकें –

1. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य – व्या. स्वामी योगीन्द्रानन्द
2. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य – व्या. स्वामी सत्यानन्द
3. ब्रह्मसूत्र शांकर भाष्य (चतुः सूत्री) – व्या. आचार्य विश्वेश्वर
4. सिद्धान्तबिन्दु – डा. बाबूलाल शर्मा
5. अद्वैतवेदान्त – डा. राममूर्ति शर्मा
6. शांकरोत्तरवेदान्त में मिथ्यात्वनिरूपण – डा. अभेदानन्द
7. अद्वैत एवं द्वैताद्वैत तत्वमीमांसा – डा. अभेदानन्द
8. Philosophy of Advaita – T.M. P.Mahadevan
9. Advaita Vedanta – M.K. Venkata Ram Ayer
10. Indian Idealism – S.N. Das Gupta
11. मीमांसादर्शन– वाचस्पति उपाध्याय
12. भारतीयदर्शन–प्रथम एवं द्वितीय भाग – डा. एस.एन. दासगुप्त
13. भारतीयदर्शन – प्रथम एवं द्वितीय भाग – डा. राधाकृष्णन्
14. भारतीयदर्शन–सम्पा. डा. एन.के. देवराज